भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †2401
सोमवार, 18 दिसम्बर, **202**3/27 अग्रहायण, **194**5 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

कम लोकप्रिय स्थलों का संवर्धन

†2401. श्री अभिषेक बनर्जी:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पर्यटन में विविधता लाने और लोकप्रिय पर्यटक स्थल पर बोझ कम करने के लिए कम-लोकप्रिय स्थलों का बढ़ावा देने की पहल प्रक्रियाधीन है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ग) मंत्रालय द्वारा डिजिटल मार्केटिंग, ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम और वर्चुअल टूर जैसी प्रौद्योगिकी का पर्यटन की उन्नति के लिए लाभ उठाने के लिए अपनाई गई रणनीतियां क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन में विविधता लाने और अल्पज्ञात गंतव्यों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलें शुरू की हैं।

(ख): देश में अल्पज्ञात गंतव्यों के संवर्धन के लिए निम्नलिखित पहलें की गई थीं:-

(i) भारत में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा वर्ष **2020** में देखो अपना देश पहल शुरू की गई थी। इस पहल का उद्देश्य देश की समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना और साथ ही देश के अल्पज्ञात स्थलों का संवर्धन करना था।
(ii) इस पहल के अंतर्गत, वेबिनारों के माध्यम से अल्पज्ञात गंतव्यों सहित देश में पर्यटन स्थलों का व्यापक रूप से संवर्धन किया जाता है।
(iii) मंत्रालय के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालय अल्पज्ञात गंतव्यों को लोकप्रिय बनाने के लिए जमीनी स्तर पर विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलाप करते हैं।

(iv) आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत कई अल्पज्ञात गंतव्यों सहित भारत में घूमने के लिए 75 अतुल्य स्थलों पर एक डिजिटल पुस्तिका तैयार की गई है।

(v) आम जनता के बीच इन स्थलों को लोकप्रिय बनाने के लिए अल्पज्ञात पर्यटक स्थलों और उत्पादों का सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक सोशल मीडिया संवर्धन किए जाते हैं।

(ग): पर्यटन मंत्रालय 01.01.2020 से अखिल भारतीय अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ)/अतुल्य भारत पर्यटक गाइड (आईआईटीजी) प्रमाणन कार्यक्रम चला रहा है**,** जोकि एक डिजिटल पहल है और जिसका लक्ष्य देशभर में सुप्रशिक्षित और पेशेवर पर्यटक सुविधाप्रदाताओं/गाइडों के एक समूह का सृजन करने के उद्देश्य से एक ऑनलाइन शिक्षा का प्लैटफ़ार्म तैयार करना है। अभ्यर्थी कहीं से भी और किसी भी समय तथा अपनी सुविधानुसार इन ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में भाग ले सकते हैं।

इसके अलावा**,** पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य ब्रांडिंग के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठाने और पर्यटन के संवर्धन के लिए पर्यटन व्लॉगर्स और कंटेंट क्रिएटर्स को शामिल करने के लिए विभिन्न पहलें की हैं।

****